# श्रीवल्लीदेवसेनापते

## रागम्: नठभैरवि  तालम्: आदि ( १ कळै)

(श्री पापनाशं शिवन्)

पल्लवि

श्री वल्लीदेवसेनापते
श्री सुब्रह्मण्य नमोऽस्तु ते

अनुपल्लवि

देवतासार्वभौम जय जय
द्विषड्भुज कार्तिकेयामेय

चरणम्

मामवसदा शिवकुमारा वि-

मानीकृत चित्रमयूर श्रित-

कामितफलदायक हतशूर
करुणाजलधर जगदाधार

◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇